



Modern Kheti

माडर्न खेती

FIRST HINDI AGRICULTURAL FORTNIGHTLY PUBLICATION

वैज्ञानिक पथ पर अग्रसर देश की कृषि पाक्षिक पत्रिका



ग्री एंड सिक्वोर के सेफ हैंड्स के प्रमुख उद्देश्य के साथ कंपनी इस बात पर जोर देती है कि सभी हितधारकों को एक साथ विकास करना चाहिए वह कंपनी हो, किसान हों, बिजनेस पार्टनर हों या टीम के सदस्य हों।

संजय अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर
इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड

“

दूसरा हरित क्रांति के दौरान खाद-
स्त्रों के अंधाधुंध प्रयोग से इन
रसायनों के प्रभाव मानवीय शरीरों
एवं जानवरों में देखने को मिल रहे हैं।
आज लोगों में स्वास्थ्य के प्रति
जागरूकता बढ़ने से वह समझ रहे हैं
कि प्राकृतिक ढंगों से पैदा किया
भोजन ही उनके स्वास्थ्य को ठीक
रख सकता है। हमारा देश एक कृषि
प्रधान देश है। यदि हरित क्रांति से
पहले दृष्टि डाली जाये तो हमारे देश
की 70 प्रतिशत जनसंख्या को खेती
से ही रोजगार मिल रहा था।

”

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदम...



‘मिलेट की ब्रांड एंबेसडर’ बनी एमपी की आदिवासी महिला - लहरी बाई
लहरी बाई बताती हैं कि हमारे यहां पहले जिन बीजों से खेती की जाती थी, वो लगभग विलुप्त हो गए थे। इन बीजों का संरक्षण करने के लिए आसपास के गांव में संपर्क किया और इन्हें मंगवाकर संरक्षण करवा चालू कर दिया। धीरे-धीरे हम खुद ही इनका उत्पादन करने लगे। इस मुहिम से दूसरे किसानों को भी जोड़ा गया। फसल तैयार होने के बाद वापस इन बीजों का संरक्षण किया जाता। इस तरह आज 16 प्रकार के विलुप्त बीजों को वापस पा लिया है।

Founder & Former Chairman : B.S. Bir
Editor-In-Chief : Gurpreet Singh Bir
Chief Operating Officer : Preeti Kaur Bir
Group Editor Director : Gurpreet Singh Bir
Group Creative Editor : Sonu Duggal
Managing Editor : Preeti Kaur Bir
Executive Editors : Simranjit Kaur, Anita Verma, Binder Kaur
Deputy Editor : Paramjit Kaur
Group Head Sales and Production : T L Madaan
AGM Brand and Marketing : Gurbinder Singh
Art and Graphic Designer : Vijay Sunarya, Sunita Walia
Anita Garg
Sales and Operations : Sonia, Prem Kumar
Finance Team : Prem Kumar Garg, Indu Dhanna
Advisor Law & Taxes : B S Goyal, Chander Shekhar Jolly
Yogesh Rai Mangla



VOL. 21, NO. 03 | 2023

PUBLISHED FOR THE PERIOD OF
1st March 2023 to 15th March 2023

Modern Khedi takes no responsibility for
unsolicited photographs or material
ALL PHOTOGRAPHS, UNLESS OTHERWISE INDICATED
ARE USED FOR ILLUSTRATIVE PURPOSE ONLY

All rights reserved throughout the world, Reproduction in
any manner, in whole or part, in Punjabi or other
Languages, prohibited.

Owner, Publisher & Printer Gurpreet Singh Bir printed this at
Modest Graphics Pvt. Ltd., C-53, DDA Sheds, Okhla Industrial
Area Phase - 1, New Delhi 110020 and Published from Circular
Road, Opp. Bir Niwas, Nabha 147201 Editor Gurpreet Singh Bir

Advisory Board

Dr Ranjit Singh
Former - Dean College of Agriculture, PAU Ludhiana
Dr Ranjodhan Singh Sahota
Dr O.P. Sharma
Ex-Director Extension Edu., UHF- Solan
Pavitarpal Singh Pangli
President Borlaug Farmers Association for South Asia
Mohinder Singh Grewal
Former Member of CACP
Mohinder Singh Dosanjh, Jagatpur
Manpreet Singh Grewal
President, PAU Kisan Club
Jang Bahader Singh Sangha, Jalandhar
Avtar Singh Dhindsa, Langra - Amargarh
Puneet Singh Thind, Ambala
KVS Sidhu, Patiala
Gurpreet Shergill, Patiala
Shivcharan Brar, Mukatar
Bharpoor Singh, Rajasthan
Maj Manmohan Singh, Anritsar
Abinder Singh Grewal, Nanoki - Bhadson
Sukhpal Bhullar, Ghuman Kalan - Bathinda
Meharwan Singh Dhaliwal, Sahouli - Patiala
Nek Singh Khokh, Khokh - Patiala

For Online Subscription
please visit us

@
www.modernkhedi.in

Modern Khedi Subscription Rate

One Year : Rs. 300/-
Two Year : Rs. 550/-
Three Year : Rs. 700/-

For Any information or Query, email
info@modernkhedi.in



कवर स्टोरी

33 प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदम...

आज लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से वह समझ रहे हैं कि प्राकृतिक ढंगों से पैदा किया भोजन ही उनके स्वास्थ्य को ठीक रख सकता है। हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है।

26 आधुनिक खेती

उत्तर-आधुनिक कृषि

नए सामान्य की ओर अपना रास्ता खोजने के लिए निरंतरता और परिवर्तन का सबसे अच्छा मिश्रण प्राप्त करना चुनौती है। यह कृषि के नए युग यानी उत्तर-आधुनिक कृषि की आवश्यकता है।

41 सहायक व्यवसाय

मशरूम के पौष्टिक एवं औषधीय महत्व

शुरूआती दौर में मशरूम को केवल इनकी स्वादिष्टता के कारण ही सेवन किया जाता था लेकिन औषधीय गुणों के कारण अब यह गुणकारी आहार के रूप में स्थापित हो चुकी है।

45 बागवानी

आम की अधिक पैदावार हेतु अति उच्च सघन वृक्षारोपण प्रणाली

उच्च घनत्व रोपण में वृक्ष के आकार को नियंत्रित करने के साथ वृक्ष के ओज और उत्पादकता के बीच संतुलन बनाये रखने के लिए कैनोपी प्रबंधन आवश्यक है।

56 अनाज भंडारण

गेहूं का सुरक्षित भंडारण कैसे करें ?

ज्यादा नमी होने से गेहूं में कीड़ों का प्रकोप अधिक होता है, क्योंकि नमी में कीट और फफूंद की वृद्धि आसान होती है। नमी से गेहूं गल या सड़ जाता है या अंकुरित हो जाता है।

6। संक्षेप

आईसीएआर ने रिलीज की देश की पहली प्रोबिटाइन-ए समृद्ध मक्के की दो नई किस्में

8। चलंत मसला

कैंसर की सुनामी की संभावना चिंतनीय

20। जनून

'मिलेट की ब्रांड एंबेसडर' बनी एमपी की आदिवासी महिला लहरी बाई

22। पद चिह्न

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विज्ञानी डॉ. पीटर कारबेरी



Founder & Former Chairman
B.S. Bir

कुछ शब्द एडीटर के...

टिकाऊ कृषि समय की आवश्यकता...

हमारा देश कृषि प्रधान देश है। कृषि उत्पादन हमारे आर्थिक विकास की रीढ़ की हड्डी के तौर पर काम करता है। कृषि को विकास के पद चिह्नों पर डालना बहुत आवश्यक है। यद्यपि हरित क्रांति को हमारे किसानों ने अपने कठिन परिश्रम से कामयाब करके दिखाया। देश को अनाज के लिए आत्मनिर्भर बनाया परन्तु हरित क्रांति के कुछ बुरे परिणाम भी सामने आए। हरित क्रांति के दौरान रासायनिक खादों के प्रयोग ने हमारे उत्पादन तो बढ़ाए परन्तु किसानों की पूरी निर्भरता इन रासायनिक खादों पर बढ़ने से हमारा भोजन भी विष युक्त हो गया, विष युक्त भोजन ने मानवीय शरीरों पर बहुत बुरे प्रभाव डाले। मानवीय शरीरों में भिन्न-भिन्न रोगों के लक्षण देखने को मिले। बढिंडा क्षेत्र में नरमे की फसल पर अंधाधुंध कीटनाशकों का प्रयोग करके कैंसर के केस बहुत बढ़े। इसके साथ-साथ गेहूँ-धान के फसली चक्र विशेष तौर पर धान की काश्त होने के कारण पानी का दुरुपयोग भी बहुत बढ़ा। भूमिगत पानी का स्तर भी बहुत नीचे चला गया। इसी के साथ पर्यावरणिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ऋतुओं के समय में बदलाव आ रहे हैं। वर्षा का समय भी बदल रहा है। बेमौसमी वर्षा ने फसलों के उत्पादन पर बुरा प्रभाव डाला। इसी तरह तापमान में वृद्धि ने फसलों के उत्पादन पर भी प्रभाव डाला। मार्च-अप्रैल में अचानक तापमान में बढ़ोतरी होने के कारण गेहूँ के उत्पादन पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। यह अनुमान है कि एक सेंटीग्रेड तापमान बढ़ने से फसलों के उत्पादन में 20-30 प्रतिशत कमी पड़ सकती है। इसलिए कृषि में पर्यावरणिक परिस्थितियों में संतुलन बनाना बहुत आवश्यक है। कहा जाता है कि कृषि कभी भी कुदरत से बिना संभव नहीं हो सकती। इसलिए प्राकृतिक संतुलन बनाने के लिए आज कृषि में ऐसी पद्धतियों की आवश्यकता है जिससे पर्यावरण में बिगाड़ पैदा न हो।

ऐसे में टिकाऊ कृषि की तरफ मुड़ना समय की बहुत बड़ी आवश्यकता है। इसी अधीन सरकार भी ऐसी कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने पर लगी हुई है जो टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहित करे। 'नेशनल मिशन ऑफ नेचुरल फार्मिंग' भी ऐसा प्रयास है जिस अधीन किसानों की निर्भरता रसायनों पर कम की जाये। ऐसी कृषि पद्धतियाँ प्रोत्साहित की जाएँ जो आने वाले समय में कृषि को चिरस्थायी बनाने के साथ-साथ विष मुक्त भोजन भी उपलब्ध करवाएँ। आज पूरे विश्व की आँख भारतीय कृषि पर है कि यहाँ से ही प्राकृतिक ढंगों से तैयार किये उत्पादों की पूर्ति की जा सकती है क्योंकि भारत की संस्कृति में कृषि की ऐसी पद्धतियाँ मौजूद हैं जिनसे टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहित किया जा सके।

संपादक

पिछले अंक पर टिप्पणियाँ



माडर्न खेती पत्रिका किसान भाईयों के लिए बहुत लाभकारी पत्रिका है। कृषि से संबंधित इस पत्रिका में लगभग हर विषय पर बेहतरीन ढंग से जानकारी दी होती है जो काबिल-ए-तारीफ होती है।

धर्म चंद, गांव खेड़ी साध, जिला रोहतक



फेसबुक पर मैंने माडर्न खेती पत्रिका के कई लेख पढ़े जो मुझे बहुत अच्छे लगे और जानकारी भरपूर थे। जो लेख मेरे लिए जानकारी भरपूर थे, उन लेखों को मैंने अपने मोबाइल में सेव करके रख लिया है। फेसबुक पर लेख डालने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मनोज कुमार



भारतीय कृषि विनाशकारी "खेत से प्लाप" घटना का सामना कर रही है। जब बाजार की कीमतों में गिरावट किसानों को अपनी उपज फिकने के लिए मजबूर करती है तो यह न केवल कृषि आजीविका के लिए एक गंभीर झटका होता है बल्कि मानसिक पीड़ा भी होती है।

देविन्दर शर्मा@Devinder_Sharma



इंडोनेशिया में की जाती स्ट्राबेरी की काश्त के बारे में अहम जानकारी

<https://youtu.be/JqJhd0gDvzw>

This publications Modern Kheta printed & published by Gurpreet Singh Bir on behalf mehran publications pvt. ltd., printed at modest graphics from Mehran Publications Pvt. Ltd., Circular Road, Opp. Bir Niwas, Nabha-147201 • Modern Kheta Takes No Responsibility for unsolicited photographs or material. All photographs, unless otherwise indicated, are used for illustrative purpose only

- लेखक के पेश किये गये विचार मौलिक एवं स्वयं के हैं। संपादक का किसी भी तरह उनके साथ संतुष्ट होता जरूरी नहीं है। ● डॉयरेक्टर शिक्षा विभाग (स) पंजाब, चंडीगढ़ की ओर से पत्र नं. 4/2-99 एडीटर पंजाबी तिथि 19-10-99 के अनुसार पंजाब के सभी मिडल, हाई एवं सीनियर सैकंडरी स्कूलों के लिए "माडर्न खेती" स्वीकृत है। ● मैगजीन में छपी एडवर्टाइजमेंट के विषय में हमारी कोई ज़िम्मेदारी नहीं है।
- किसी भी कानूनी कार्यवाही के लिए केस नाभा (जिला पटियाला) में ही दाखिल किया जा सकता है।

How to Reach Us

Letters to the Editor
M : +91 99 88 88 63 70
E-mail : editor@modernkheta.in
Mail : Modern Kheta, Circular Road,
Opp. Bir Niwas, NABHA - 147201
We edit and fact-check letters.
Please provide your telephone
number in all cases.

Subscriptions / Customer Inquiries
M : +91 99 88 88 63 73
E-mail : wecare@mppl.net.in
Mail : Subscriptions,
Mehran Publications Pvt. Ltd.,
Circular Road, Opp. Bir Niwas,
NABHA - 147201 Dist Patiala (Punjab)
Ph. 01765 - 220 678 / 778

For bulk inquiries :
E-mail : sales@mppl.net.in
M : +91 99 88 88 63 67
For change of address,
enclose the addressed portion of your
magazine wrapper.
For inquiries, the wrapper or your bill
Yearly subscription : Rs. 800

Advertising Inquiries

Gurpreet Singh Bir,
Director
gurpreetbir@mppl.net.in
+91 99 88 99 66 99

NEW DELHI
Sonu Duggal
sonuduggal@mppl.net.in
+91 99 88 88 63 83

MUMBAI
Balinder Singh Mann
bal@knyagroup.com
+91 98 19 03 28 30

KOLKATA
Ishad Ali
contact.synapse@gmail.com
+91 98 30 54 77 74

MOHALI
T. L. Madaan
t.madaan@mppl.net.in
+91 99 88 88 63 87

AHMEDABAD
Vinod Naidu
vinodnair@hmail.com
+91 93 27 07 43 32

NABHA
Gurpinder Singh,
advertis@mppl.net.in
+91 99 88 88 63 71

संक्षेप



आईसीएआर ने रिलीज की देश की पहली प्रोविटामिन-ए समृद्ध मक्के की दो नई किस्में

कृषि क्षेत्र के विकास में अनुसंधान का भी अहम रोल है। इससे खेती-किसानी में आ रही चुनौतियों से निपटने में काफी मदद मिल रही है। देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भी इसी मिशन पर है, जो फसलों की ऐसी किस्में विकसित कर रहा है, जो जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों के बावजूद खेती से बेहतर उत्पादन लेने में मदद करती हैं। इन किस्मों में शामिल है आईसीएआर की ओर से विकसित देश का पहला प्रोविटामिन मक्का, जिसमें प्रोविटामिन-ए, लाइसिन और टाइपटोफेन जैसे गुण होने का दावा किया गया है। अपनी एक पोस्ट में आईसीएआर ने यह भी बताया है कि कैसे आईसीएआर द्वारा विकसित प्रोविटामिन मक्का में पोषण की

मात्रा साधारण मक्का से कहीं ज्यादा है। नई प्रोविटामिन-ए से भरपूर मक्का की किस्मों में पूसा विवेक क्यूपीएम 9 सुधरी और पूसा एचक्यूपीएम 5 सुधरी शामिल हैं।

आईसीएआर की ओर से जारी एक ट्विटर पोस्ट के अनुसार, साधारण मक्का में प्रोविटामिन-ए की मात्रा 1 से 2 पीपीएम, लाइसिन की मात्रा 1.5 से 2.0 प्रतिशत और टाइपटोफेन की मात्रा 0.3 से 0.4 प्रतिशत होती है। आईसीएआर की जैव संवर्धित पूसा विवेक क्यूपीएम 9 सुधरी किस्म में प्रोविटामिन-ए की मात्रा 8.15 पीपीएम, लाइसिन की मात्रा 2.67 प्रतिशत और टाइपटोफेन की मात्रा 0.74 प्रतिशत होती है, जो साधारण मक्का से कहीं ज्यादा है।

आईसीएआर की अन्य जैव

संवर्धित किस्म पूसा एचक्यूपीएम 5 सुधरी में 6.77 पीपीएम प्रोविटामिन, 4.25 लाइसिन और 0.9 प्रतिशत टाइपटोफेन शामिल हैं। आज देश की बड़ी आबादी पोषण की कमी की समस्या से जूझ रही हैं। ऐसे में पोषण युक्त जैव संवर्धित किस्में देश को इस बड़ी समस्या से उबारने में मदद कर सकती हैं। इन किस्मों का उत्पादन बढ़ाने से हर किसी की थाली तक बायोफोर्टिफाइड मक्का पहुंचाया जा सकता है। इस मक्का के सही प्रमोशन से ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) में भी भारत की स्थिति सुधर सकती है। बेशक मक्का को मोटे अनाजों में शामिल नहीं किया गया है, लेकिन गेहूं और चावल की तुलना में यह ज्यादा पोषण से भरपूर है और हर वर्ग के लोगों तक मक्का की पहुंच भी है।

इंडोगुल्फ ग्रुप सफलता की ओर बढ़ते कदम

इंडोगुल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड, पूर्व में जयश्री रसायन उद्योग लिमिटेड, फसल संरक्षण और फसल पोषण उत्पादों की एक प्रमुख निर्माता और निर्यातक कंपनी है।

पिछले 3 दशकों में कंपनी अपने अभिनव और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि-इनपुट उत्पादों के माध्यम से कृषि और संबंधित उद्योगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और बेहतर फसल उगाने के लिए दुनिया भर के किसानों को अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करने के लक्ष्य को पूरा करना जारी रखती है।

मुख्य उद्देश्य

कंपनी का मुख्य उद्देश्य फसलों में नये उत्पाद के लिए अनुसंधान, बढ़िया क्वालिटी के कृषि उत्पादों के लिए R&D एवं ब्रांडिंग पर ध्यान केन्द्रित करना है। कृषि के लिए गुणवत्तापूर्ण कृषि-इनपुट आवश्यक हैं, जो दुनिया भर के लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। इंडोगुल्फ ग्राहकों के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पादों एवं सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध है। इंडोगुल्फ ग्रुप का लक्ष्य पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकी को किसानों के लिए अधिक सुलभ बनाना है। ये प्रयास हैं जो इंडोगुल्फ को फसल संरक्षण और फसल पोषण उत्पादों का अग्रणी निर्माता बनाते हैं। नवीनतम तकनीक तक पहुंच और अत्याधिक प्रशिक्षित पेशेवरों के साथ, कंपनी अनुसंधान एवं विकास, उत्पादन, घरेलू और विदेशी बाजारों में उपस्थिति के साथ एक एकीकृत कृषि-इनपुट संगठन बन गई है।

टैक्नीकल निर्माण क्षेत्र में अग्रणी कंपनी

इंडोगुल्फ स्पाइरोमेसिफेन टैक्नीकल देश की पहली निर्माता है और इसने 99.3 प्रतिशत की शुद्धता का स्तर हासिल किया है। इसी तरह, इंडोगुल्फ 97 प्रतिशत की न्यूनतम शुद्धता के साथ Pyrazosulfuron Ethyl technical की दूसरी निर्माता है और धारा 9(3) के अंतर्गत एबामेक्विन टैक्नीकल के आयात के लिए पंजीकृत है।

इंडोगुल्फ ग्रुप के पास हरियाणा और जम्मू-कश्मीर राज्यों में पांच अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं वाले प्लांट हैं। कंपनी ब्लो-मोल्टिंग एचडीपीई कंटेनर निर्माण सुविधा से भी सुसज्जित है।

प्रत्येक इकाई सख्त अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के तहत काम करती है और गुणवत्ता आश्वासन के लिए ISO 9001 और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण मानदंड ISO 14001 और OHSAS के तहत प्रमाणित की गई है।

भारत सरकार के मिशन-मेक इन इंडिया के तहत इंडोगुल्फ निर्माण में लगातार सुधार के साथ गुणवत्ता और उत्पादन के पैमानों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है।

तकनीकी उन्नति

इस ग्रुप की कंपनी की तकनीकी क्षमता की व्याख्या निम्न अनुसार की गई है :

- * तकनीकी के क्षेत्र में टैक्नीकल प्लांट की अपग्रेडेशन की गई जिससे प्लांट के उत्पादन में वृद्धि एवं उत्पाद बनाने की क्षमता में भी वृद्धि हुई है।
- * दो इकाईयां निर्माण एवं फार्मूलेशन को समर्पित की गई हैं।
- * एक इकाई स्पेशल फसल पोषण उत्पादन को समर्पित की गई है।
- * कृषि फसल सुरक्षा उत्पाद एवं पोषण उत्पाद के लिए आधुनिक खोज एवं विकास प्रयोगशाला का निर्माण किया गया है।

इसके इलावा कुछ अन्य प्रमुख आकर्षण इस प्रकार हैं :

- * एनएबीएल प्रमाणित प्रयोगशाला।
- * देश के उत्तरी भाग में फील्ड रिसर्च एंड डिवलपमेंट इकाई की स्थापना की गई है।
- * HPLC, GLC, AAS से बेहतर डेटा से लैस नवीनतम उपकरणों वाली प्रयोगशालाएं।
- * GLP डाटा 20 टैक्नीकल एवं 40 फार्मूलेशनों के लिए उपलब्ध है। इसमें डाटा 5 अधीन बैच विश्लेषण, भौतिक एवं रासायनिक अध्ययन को एवं 6 पैक एक्ज्यूटिव रीपोर्टिंग, परिवर्तनशीलता एवं पर्यावरण अध्ययन को शामिल किया गया है।
- * IARI, CRRI, CPRI, TRAI, IPFT जैसे अनुसंधान संस्थानों के साथ नजदीकी तालमेल में काम करना।
- * प्रौद्योगिकी सुधार और हस्तांतरण के लिए एसोसिएशन।
- * पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों पर चल रही खोज, कम

से कम या बिना अवशेष वाली हरित प्रौद्योगिकी।
* समूह में योग्य और अनुभवी वैज्ञानिकों, रसायनज्ञों, कृषिविदों एवं सूक्ष्म जीव विज्ञानियों



संजय अग्रवाल
मैनेजिंग डायरेक्टर

की एक टीम मौजूद है।

- * 15 उत्पादों के लिए पेटेंट प्रक्रिया में है।
- * डिजाइनों को कवर करने वाली पैकेजिंग के लिए पेटेंट को सम्मानित किया गया।
- * अन्य प्रमाणीकरण - OMRI; IMO; ECOCERT

उत्पादों और सेवाओं की सारणी

कंपनी द्वारा अपने पोर्टफोलियो का गहराई से विश्लेषण इस द्वारा पेश की गई भिन्न-भिन्न उत्पाद वर्गों को समझने के लिए एक रोड मैप के तौर पर कार्य करता है। इस ग्रुप के विकास में किसान, चैनल एवं व्यवसाय सभी पर विचार किया गया है। इस दृष्टिकोण से यह पर्यावरण हितैषी तकनीक को विकसित करने एवं उन वस्तुओं को उत्साहित करने के लिए अपने प्रयासों को समर्पित कर रहे हैं जिसमें सभी हिस्सेदार बेहतरीन हैं।

उत्पाद से सम्बंधित पोर्टफोलियो फलों, सब्जियों एवं अन्य फसलों की सुरक्षा और पोषण में सहायता करता है।

इसके अलावा पर्यावरण अनुकूल उत्पादों में मृदा अनुकूलक, मृदा एवं पत्तों के पोष्टिक तत्व सुधारक, पत्तों की शक्ति बढ़ाने वाला एवं तनाव प्रबंधन शामिल है।

इसके साथ-साथ लघु किसानों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, यह समूह छोटे 'स्टॉक कीपिंग यूनिट्स' का एक विशेष उत्पादन अभियान चलाता है।

निपुण कर्मचारियों का समूह

इंडोगल्फ ग्रुप के पास गतिशील एवं कुशल अनुभवी कर्मचारियों का समूह है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर का ज्ञान रखते हैं। कंपनी में निपुण कर्मचारियों की एक उचित टीम वर्क है जो कंपनी की सफलता का रहस्य है। ये सभी मिलकर कंपनी को विकास की ऊंचाईयों पर ला रहे हैं। इन सभी की मेहनत से ही कंपनी प्लांट सफ़लीमेंट में अपनी अलग पहचान रखती है। इंडोगल्फ समूह के पास देश भर में फैले 600 से अधिक कर्मचारी हैं, जो आईडीओ की एक टीम के साथ प्रयोगशाला से भूमि परियोजना के तहत किसानों के साथ मिलकर काम करते हैं। टीम सभी उपलब्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनावरणों के माध्यम से उद्योगों में तकनीकी विकास के बारे में अद्यतन जानकारी रखती है। इंडोगल्फ ने समस्त सदस्यों के प्रयास से पेशेवर लक्ष्यों पर केंद्रित संस्कृति बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।



सुरक्षित फसल इंडोगल्फ के संग

विविधतापूर्ण मजबूत नींव

ग्राहकों की संतुष्टि कंपनी का मुख्य उद्देश्य है। इंडोगल्फ समूह की 1993 से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान है। 100 ब्रांडों के साथ इंडोगल्फ ग्रुप के पास पैन इंडिया, 23 ब्रांच ऑफिस एवं 6000 के करीब डिस्ट्रीब्यूटर एवं 50000 डीलर नेटवर्क हैं जो पूरे देश में किसानों की सेवा में विद्यमान हैं।

इंडोगल्फ एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है जिसे भारत सरकार के द्वारा निर्यात के क्षेत्र में TWO स्टार की मान्यता प्राप्त है। इंडोगल्फ 30 देशों से अधिक में अपना व्यवसाय कर रही है। कंपनी का आस्ट्रेलिया में अपना कार्यालय है। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंस ऑस्ट्रेलिया PTY लिमिटेड ग्रीन एक्सट्रैक्शन टेक्नोलॉजी अधीन काम कर रही है जो ऊर्जा की खपत को कम करने में खोज कर रही है। निर्यात के अलावा कंपनी के पास व्यापारिक साझेदारी अमेरिका एवं एशिया में है जहां से उत्पाद आयात भी किये जाते हैं।

सुनहरी मील पथ

- * नेशनल अवार्ड विनर केन्द्र सरकार की ओर से एम.एस.एम.ई. क्षेत्र में उच्चतम क्वालिटी लघु खाद तैयार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री से सम्मानित।
- * मिनिस्ट्री ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्री, भारत सरकार की ओर से 'TWO स्टार' निर्यात हाऊस की ओर से मान्यता प्राप्त।
- * लगातार 3 वर्षों से CAC ऑवरसीज निर्यात अवार्ड से सम्मानित।
- * शौर्य सम्मान इंडियन न्यूज की ओर से।
- * नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ इकॉनॉमिक डिवलपमेंट की ओर से शिरोमणी अवार्ड।
- * ITM की ओर से एक्सलेंट कॉर्पोरेट ब्रांडिंग

अवार्ड।

- * डेयर टू डीम अवार्ड ZEE न्यूज की ओर से।
- * कृषि एवं अलाईड इंडस्ट्री के साथ काम कर रहे संस्थानों में सदस्यता।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम

- * लाडो नंबर 1 - इसका मुख्य उद्देश्य किसानों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना।
- * सक्षम - इसके अधीन सूरज की छाया सौर-सशक्त बस शेल्टर का निर्माण
- * कदम एक, पेड़ अनेक - पौधारोपण कार्यक्रम
- * फेंक मत - स्वच्छता अधीन प्रोजेक्ट
- * फार्मर्स स्कूल ऑन व्हील्स - पूरे उत्तर भारत में किसानों के लिए प्रशिक्षण अभियान

प्रमुख स्तंभ

ग्री एंड सिक्वोर के सेफ हैंड्स के प्रमुख उद्देश्य के साथ कंपनी इस बात पर जोर देती है कि सभी हितधारकों को एक साथ विकास करना चाहिए चाहे वह कंपनी हो, किसान हों, बिजनेस पार्टनर हों या टीम के सदस्य हों। इंडोगल्फ समूह समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है जिनकी वह सेवा करता है। यह व्यवसाय के क्षेत्र में प्रबंधन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता द्वारा किया जाता है।

कदम भविष्य की ओर

इंडोगल्फ अपने फसल संरक्षण और फसल पोषण पोर्टफोलियो को बेहतर करने के लिए वैश्विक भागीदारों के साथ तकनीकी सहयोग को गहरा करने का सतत प्रयास करता है। आगे बढ़ते हुए इंडोगल्फ टिकाऊ कृषि के माध्यम से किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए अपनी कुशलता और क्षमता को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।



बेहतर फसल इंडोगल्फ के संग



अपोलो टायर्स के साथ सुरक्षा भी, स्टाइल भी

इस त्योहार, दो टायर की खरीद पर पाएं विंडचीटर का उपहार*

ऑफर 12 अक्टूबर, 2022 से

विंडचीटर धवि केवल रचनात्मक प्रस्तुति के लिए है। वास्तविक अलग हो सकता है।

ठण्ड, बारिश
और धूल से सुरक्षा

नियम व शर्त लागू



apollo
TYRES
60 THE — DISTANCE

 TOLL FREE: 1800 212 7070